



Rapid Fire (करेंट अफेयर्स): 26 जुलाई, 2022

कारगलि वजिय दविस

देश में 26 जुलाई, 2022 को कारगलि वजिय दविस मनाया गया। 26 जुलाई, 1999 को कारगलि युद्ध (Kargil War) में वजिय हासिल करने के उपलक्ष्य में प्रत्येक वर्ष कारगलि वजिय दविस (Kargil Vijay Diwas) मनाया जाता है। इस वर्ष कारगलि वजिय दविस की 23वीं वर्षगांठ है। कारगलि युद्ध को ऑपरेशन वजिय के नाम से भी जाना जाता है। वर्ष 1999 में भारत और पाकिस्तान के बीच मई से जुलाई के बीच कश्मीर के कारगलि क़्षेत्र में हुए सशस्त्र संघर्ष को ही कारगलि युद्ध (Kargil War) कहा जाता है। यह लगभग 60 दिनों तक चला तथा 26 जुलाई, 1999 को समाप्त हुआ था। इस युद्ध को जीतने के लिये भारतीय सेना ने दुरगम बाधाओं, दुश्मन के इलाकों, विपरीत मौसम एवं अन्य कठिनाइयों का सामना करते हुए वजिय प्राप्त की थी। इस युद्ध में भारतीय सेना के बहुत से जवान शहीद और घायल हुए। यह दविस सेना के अदम्य साहस एवं बलदान के सम्मान में मनाया जाता है।

अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र प्राधिकरण

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 29 जुलाई, 2022 को गुजरात में अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र प्राधिकरण (IFACA) के मुख्यालय भवन की आधारशिला रखेंगे। यह प्राधिकरण भारत में अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्रों में वित्तीय उत्पादों, वित्तीय सेवाओं और वित्तीय संस्थानों के विकास एवं वनियमन के लिये एकीकृत नियामक है। इस प्राधिकरण के मुख्यालय भवन को एक प्रतिष्ठित संरचना के रूप में परिकल्पित किया गया है, जो एक प्रमुख अंतरराष्ट्रीय वित्तीय केंद्र के रूप में गुजरात इंटरनेशनल फाइनेंस टैक की बढ़ती प्रतिष्ठा और संरचना को दर्शाता है। प्रधानमंत्री गुजरात इंटरनेशनल फाइनेंस टैक- अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र में भारत के पहले अंतरराष्ट्रीय बुलडिंग एक्सचेंज यानी भारत इंटरनेशनल बुलडिंग का भी शुभारंभ करेंगे।

फैमिली डॉक्टर प्रोजेक्ट

हाल ही में आंध्र प्रदेश सरकार ने वशिखापतनम ज़िले के पदमनाभम मंडल में पायलट आधार पर "फैमिली डॉक्टर प्रोजेक्ट" लागू करने का निर्णय लिया है। इस परियोजना का उद्देश्य ग्रामीण आबादी के बीच स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार लाना है। यह परियोजना 15 अगस्त, 2022 से लागू होगी। "फैमिली डॉक्टर प्रोजेक्ट" के अंतर्गत वार्ड और ग्राम सचिवालय में लोगों के स्वास्थ्य की देखभाल हेतु प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (PHC) के एक डॉक्टर को उपलब्ध कराया जाएगा। डॉक्टर उन रोगियों के पास जाएंगे, जो गंभीर रूप से बीमार हैं और जिन्हें प्रसवपूर्व एवं प्रसवोत्तर देखभाल की आवश्यकता है। हालाँकि इससे पहले ANM आशा कार्यकर्ता और मडि-लेवल हेल्थ प्रोवाइडर (MLHPs) घर-घर जाकर उन लोगों की पहचान करेंगे जिन्हें डॉक्टर की सेवाओं की आवश्यकता है। फैमिली डॉक्टर प्रोजेक्ट को लागू करने के लिये स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों द्वारा पहले से ही PHC में कार्यरत कर्मचारियों हेतु पदमनाभम मंडल में आशा कार्यकर्ताओं, MLHP और ANM को प्रशिक्षित करने के लिये प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहे हैं।